BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी रविवार विक्रम संवत् 2079। 05 जून 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

पटना में लगे दो लाख पौधे, बढ़ी हरियाली

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत किया जा रहा है पौधरोपण

पेड़-पौधे बढ़ने से अब बदलने लगी है राजधानी की आबोहवा

पटना ,कार्यालय संवाददाता । पटना जिले की आबोहवा बदली है। बीते तीन सालों में दो लाख 392 पौधे लगाए गए हैं। इनमें 80 फीसदी पौधे विकसित किए गए हैं। यानी एक लाख 85 हजार 351 पौधों के लगने से जिले में हरियाली बढ़ा रही है।

इससे पटना की हरियाली 0.88 फीसदी बढ़ गई है। सभी छायादार पौधे लगाए गए हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से जल-जीवन-हरियाली योजना 2021-22 के तहत दानापुर, पटना पूर्वी, मसौढ़ी में सबसे अधिक 39 हजार 100 पौधे लगाए गए हैं। उसके बाद कैंपा योजना के तहत पटना पश्चिमी, बाढ़ और मसौढ़ी में 22,200 पौधे लगाए गए हैं। एनटीपीसी के तहत भी बाढ़ में 13500 पौधे लगाए गए। खनिज फाउंडेशन के तहत दानापुर में 450 पौधे लगाए गए हैं। कुल इस साल इनसभी योजनाओं के तहत 75250 पौधे लगे। 2021-22 में कैंपा योजना के तहत पटना पश्चिमी के बलियावन से महजपुरा में 200, बाढ़ के माराही पोखर के चारो तरफ 200, अजदा सिकरिया पईन में 5 हजार, खनपुरा से मदारीपुर में 4 हजार, मसौढ़ी के भेडहरिया इंग्लिश से लथार में 8 हजार, नौरंगा से साहोपुर में 2 हजार, किश्तीपुर से कोसुत रोड में 1 हजार पौधे लगाए गए। कुल 22200 हजार पौधे लगाए गए।

03 वर्षों में दो लाख पौधे लगाए गए, 80 फीसदी पौधे हो गए युवा, पटना की हरियाली 0.88 फीसदी बढ़ गई

75250 पौधे लगाए गए बीते साल विभिन्न योजनाओं के तहत

450 पौधे लगे जिला खनिज फाउंडेशन के तहत दानापुर के ईस्टर्न रेलवे स्कूल एवं परिसर के आसपास

छाएदार पौधे लगाए गए

किसानों द्वारा सागवान, महोगनी, सेमल, कदम, गम्हार, आंवला, जामुन, कटहल, सहजन, एमसोल, पॉप्लार लगाए गए है। विभाग द्वारा पीपल, हर्र, बहेरा, बरगद, सेमल, बकैन, शीशम, गुलर, अर्जुन, अमलतास, पाकड़, नीम, गुलमोहर, करंज लगाए गए हैं।

747 तालाब को बनाया जाना है बेहतर, करीब पांच एकड़ का है प्रत्येक तालाब

पटना पूर्वी में 39 हजार 100 पौधे लगे

जल जीवन हरियाली योजना के तहत विक्रम मोड़ से वजीरपुर में 2 हजार, दानापुर के वजीरपुर से कनवा में 2 हजार, पटना पूर्वी के गौरीचक से

फतुहा पुनपुन नदी बांध पर 1500, धनरूआ से बहरामपुर में 3600, अख्तयारपुर से चन्दौस में 4 हजार, खनपुरा से रघुनाथपुर में 4 हजार, मसौढ़ी के चन्दौस से धोखरा मोड़ में 8 हजार, दुल्हिन बाजार से जमुई में 7 हजार, डौरवा मठिया से बड़दावाड़ में 4 हजार, फतेहपुर से मदारीपुर में 2500 पौधे लगाए गए। कुल 39100 पौधे लगे।

एनटीपीसी ने लगाए 13 हजार 500 पौधे

एनटीपीसी के तहत बाढ़ के कोन्दी रिंग बांध में 5500, एनटीपीसी कोल यार्ड में 3 हजार, एनटीपीसी

नियर बाउड्री एवं रेली में 3 हजार, एनटीपीसी सिलो में 2 हजार पौधे लगे। कुल 13500 पौधे लगे।

अटल पथ के आसपास फैली हरियाली। इस सड़क के निर्माण के समय कई पेड़ो को यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया गया फिर भी यहां हरियाली कायम है। • हिन्दुस्तान

पटना स्थित माणिकचंद तालाब। • हिन्दुस्तान

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.06.2022 | पृष्ठ सं० 08

हरियाली के प्रति जागरूक हुए लोग तो नर्सरी में बढ़ा रोजगार

पटना, वरीय संवाददाता । राजधानी में पर्यावरण और हरियाली के प्रति लोगों में जागरूकता तेजी से बढ़ी है। रूफ टॉप और किचेन गार्डनिंग अब पटना में आम हो गया है। लोग अपने गार्डन में तुलसी से लेकर पुदीना, अजमोद, कूपर पत्ता, एलोवेरा, अजवाइन, लैवेंडर, गिलोय, परिजात के पौधे लगा रहे हैं। नर्सरी संचालक लालू ने बताया कि कुछ सालों में औषधीय पौधों की मांग बढ़ी है। महानगरों की तर्ज पर पटनावासी भी ऑक्सीजन और औषधीय पौधों को अपने घर-आंगन में उगाने लगे हैं। अमोद राय कहते हैं कि लोगों की डिमांड पूरी करने के लिए उनकी नर्सरी में अभी पांच सौ प्रजातियों के पौधे हैं। फूल कारोबारी रमेश मालाकार कहते हैं कि पटना में छोटी नर्सरियों की बात करें तो दो सौ से ज्यादा हैं। कैट के प्रदेश अध्यक्ष कहते हैं कि नर्सरियों के माध्यम से बड़ी सख्या में श्रमिकों को रोजगार मिला है। केवल पटना शहरी इलाकों की नर्सरियों में रो दो से ढाई लाख रुपये का कारोबार होता है। राजधानी वाटिका, हवाई अड्डे के पास, अगमकुआं, बाढ़, मसौढ़ी, दानापुर, बिहटा में बड़ी सरकारी नर्सरी है। वहीं बोरिंग रोड, गांधी मैदान, सगुना मोड़, नाला रोड, राजेंद्र नगर, बेली रोड, सिंचाई भवन के पास नर्सरियां हैं।

पुलिस कॉलोनी के पास नर्सरी में पौधे की खरीदारी करती महिलाएं। • हिन्दुस्तान

02 सौ से ज्यादा छोटी-बड़ी नर्सरियां हैं पटना में

02 से ढाई लाख का कारोबार हो रहा है नर्सरी में रोजाना

05 सौ से अधिक प्रजातियों के पौधे हैं नर्सरियों में

- रूफ टॉप और किचेन गार्डनिंग अब महानगरों की तरह आम हो गया
- गार्डन में तुलसी से लेकर पुदीना, एलोवेरा, गिलोय तक उगा रहे लोग

पटना में इन औषधीय पौधों की मांग

गिलोय, एरिका पॉम, एलोवेरा, परिजात, तुलसी, अश्वगंधा, अजवाइन, इस्टीबिया, वंशाही, सन ऑफ इंडिया, क्रॉनटॉन, समी, जीजी, एग्लोनिमा, क्रोटन, रबर प्लांट, एरिका पाम।

ऑक्सीजन वाले पौधों की डिमांड

कैलाथिया मेंडेलियन, रैटल स्नेक प्लांट, स्नेक प्लांट, अफ्रीकन स्पीयर प्लांट, कोस्टा फॉर्म्स, पैथोस जेड, कॉइन प्लांट या चाइनीज मनी प्लांट, बड्स्र नेट फर्न, व्हाइट कैक्टस या व्हाइट घोस्ट, स्पाइडर प्लांट, रोजमैरी, लकी बैंबू प्लांट, बोनसाई, जेड प्लांट या एशियन मनी ट्री, मोथ ऑर्किड।

पौधों की कीमत

पौधे	मूल्य				
अइरका पंप	₹150	डपन पेचिया	₹90	पत्थरचूर्ण	₹50
स्नेक प्लांट	₹110	जूली प्लांट	₹60	रिसुलिंग	₹50
		डोरंटा	₹60	हरसिंगार	₹50

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.06.2022 | पृष्ठ सं० 08

9 जिलों की 6 सड़कें स्टेट हाइवे बनेंगी 2 लेन होगी चौड़ाई, 326 किमी लंबाई

इन्द्रभूषण | पटना

राज्य की 6 सड़कों को शीघ्र स्टेट हाइवे घोषित किया जाएगा। इन सड़कों को स्टेट हाइवे बनाने और 2 लेन चौड़ा करने की प्रक्रिया पथ निर्माण विभाग ने शुरु कर दी है। राज्य की 9 जिलों को इन महत्वपूर्ण सड़कों (एमडीआर) के स्टेट हाइवे बनने से सीधा फायदा मिलेगा। 326 किलोमीटर लंबी इन सड़कों को एडीबी के सहयोग के बनाने के लिये पथ निर्माण विभाग ने प्रस्ताव बनाकर राज्य के वित्त विभाग से सहमति के लिये भेजा है। अब

एडीबी के सहयोग से बनाई जाएगी यह सभी सड़कें

सड़क	लंबाई	जिला
धोरैया-इंगलिश मोड़-असरगंज पथ	58 किमी	बांका/भागलपुर
आरा-एकौना–खैरा सहार पथ	32.3 किमी	भोजपुर
मांझी-दरौली-गुठनी पथ	71.6 किमी	छपरा/सीवान
वनगंगा-जेठियन-गहलोर-भिंडस पथ	41.6 किमी	नवादा/गया
मधुबनी-राजनगर-बाबूबरही-खुटौना पथ	41.1किमी	मधुबनी
ब्रह्मपुर-कुरानसराय-इटाढ़ी-सरंजा जालीपुर	81 किमी	बक्सर

विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग कमेटी इस मामले को आगे बढ़ायेगी। मंत्री नितिन ने कहा कि इस वर्ष सभी प्रक्रिया पूरी कर अगले वर्ष तक एडीबी से स्वीकृति लेकर इनके 6 के साथ ही अन्य दो स्टेट हाइवे और एक बड़े पुल के निर्माण कार्य शुरु कर दिया जाएगा।

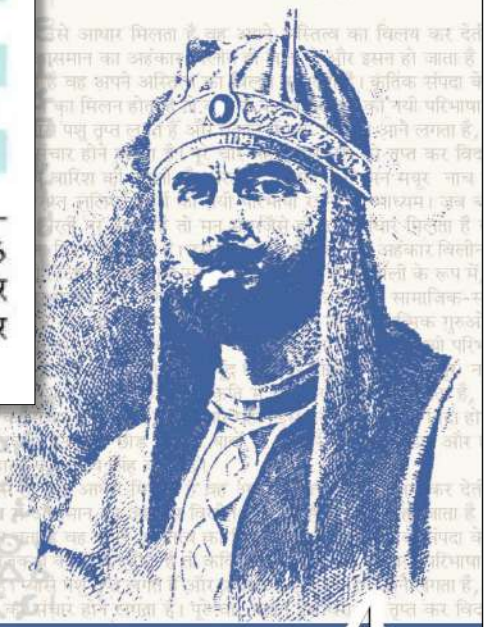

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 05.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

बरौनी के हर्ल खाद कारखाने में लगेगा नैनो यूरिया का यूनिट : डॉ मांडविया

संवाददाता ▷ बीहट

बेगूसराय जिले के बरौनी में निर्माणाधीन हर्ल खाद कारखाने में नैनो यूरिया का भी यूनिट जल्द लगेगा, ताकि किसानों को इको यूरिया उपलब्ध हो सके. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने शनिवार को इस कारखाने के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के बाद इसका एलान किया. उन्होंने वहां अधिकारियों के साथ बैठक भी की. हर्ल के सीएमडी आरसीएफ और एमडी एससी मुदगेरीकर ने बताया कि 88% कार्य हो चुका है. 30 अगस्त, 2022 तक यहां से यूरिया का उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य है. आइओसीएल, एनटीपीसी, कोल इंडिया, एफसीआइएल और एचएफसीएल के संयुक्त उपक्रम हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड (हर्ल) के मातहत बरौनी खाद कारखाने का निर्माण कार्य 18 मई, 2018 से शुरू हुआ है. यह 336 एकड़ में 7043 करोड़ की लागत से बन रहा है.

मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई को गुजरात के कलोल में देश के पहले नैनो यूरिया (लिक्विड) प्लांट का उद्घाटन किया. इस प्लांट से रोजाना 500 मिली लीटर की लगभग 1.5 लाख बोतलों का उत्पादन होगा. इस प्लांट के बाद देश में आठ और नैनो प्लांट खोलने की योजना है. इसके तहत हर्ल खाद कारखाना, बरौनी में भी नैनो यूरिया का एक यूनिट लगाया जायेगा. उनके साथ केंद्रीय मंत्री व सांसद गिरिराज सिंह और बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मौजूद थे.

बरौनी में हर्ल खाद कारखाने का निरीक्षण करते केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया.

नाइपर के छात्रों की इंडस्ट्री में एक साल की इंटर्नशिप

हाजीपुर. केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने हाजीपुर स्थित राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) में शनिवार को एक कार्यक्रम में भी भाग लिया और रिसर्च एवं डेवलपमेंट की विशेष सुविधा के लिए बनाये गये लैब का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने और सरकार के आत्मनिर्भर संकल्प के लिए एकेडमी और इंडस्ट्री के बीच लिंक होना आवश्यक है. ऐसे में नाइपर में पढ़ने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई के अंतिम साल में इंडस्ट्री में आवश्यक इंटर्नशिप करनी होगी. छात्रों को एक इंटेंसिव भी मिलेगा. नाइपर जिस इंडस्ट्री से कोलबोरेट किये हुए होगा, वहां छात्रों को इंटर्नशिप दी जायेगी. इस दौरान उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय भी मौजूद थे.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 05.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

सुविधा. तीन सड़कों के फोरलेन बनने से होगा विकास

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा बक्सर-हैदरिया फोरलेन

संवाददाता ▷ पटना

मुजफ्फरपुर-बरौनी, मोकामा-मुंगेर और बक्सर-हैदरिया फोरलेन एनएच का निर्माण शुरू करने की तैयारी की जा रही है. इन तीनों सड़कों को फोरलेन बनने से यातायात सुविधा का विकास होगा. साथ ही राजधानी पटना तक पहुंचने में समय की बचत होगी. मुजफ्फरपुर-बरौनी के बीच मौजूदा टू-लेन वाले एनएच-122 (पुराना एनएच 28) की चौड़ाई बढ़ाकर 116.23 किमी लंबी फोरलेन सड़क बनेगी. करीब 3337 करोड़ की अनुमानित लागत वाले इस फोरलेन का डीपीआर और एलानमेंट तैयार हो गया है. एनएचएआइ ने फोरलेन निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव मुख्यालय भेज दिया है. मंजूरी मिलते ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी. हैदरिया में यह सड़क निर्माणाधीन पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगी.

निर्माण की प्रक्रिया शुरू, पटना पहुंचने में समय की होगी बचत

पटना से बक्सर तक 125 किमी एनएच का हो रहा निर्माण

इसके साथ ही पटना से बक्सर तक करीब 125 किमी की लंबाई में फोरलेन एनएच का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. दोनों सड़कों पर आवागमन शुरू होने से पटना से बक्सर-हैदरिया से होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस के माध्यम से दिल्ली आना-जाना आसान हो जायेगा.

इसी साल बनेगी सड़क

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पिछले दिनों बक्सर से हैदरिया तक फोरलेन सडक बनाने की मंजूरी दी थी. करीब 22.66 किमी लंबाई में सड़क की अनुमानित लागत 1769 करोड़ रुपये है. इस सड़क की डीपीआर बनायी जा रही है. डीपीआर पर केंद्र की मंजूरी मिलते ही इसी साल सड़क बनाने का काम शुरू हो जायेगा.

मोकामा से मुंगेर तक बनेगी फोरलेन सड़क

करीब 96 किमी लंबाई में मोकामा-मुंगेर सड़क पहले दो लेन थी, अब वह फोरलेन बनेगी. इसकी अनुमानित लागत 4286 करोड़ रुपये है. सड़क बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है. इसका डीपीआर तैयार है, जल्द ही इसके निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर निकाला जायेगा. यह सड़क मोकामा से मनोहरपुर होकर लखीसराय के दक्षिण से मुंगेर तक फोरलेन बनेगी. इस सड़क के बन जाने से बक्सर से पटना-मोकामा-मुंगेर होकर भागलपुर मिर्जाचौकी का सफर आसान हो जायेगा.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 05.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	68
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	20
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	05
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,28,35,585
⇒ कम से कम एक डोस	7,07,76,982
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,01,44,915

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉग कॉग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.